(c) and (d) These items are proposed to be discussed in the Joint Consultative Machinery of .he Kendriya Vidyalaya Sangathan. The Joint Consultative Machinery of Ihe Kendriya Vidyalaya Sangathan could not be formed as the Delhi High Court, on a Writ Petition had directed the Kendriya Vidyalaya Sangathan on 16th April 1986 not to constitute the staff council under the Joint Consultative Machinery Scheme. The Delhi High Court has recently vacated the aforesaid stay order and steps are being taken by the KVS to constitute the Joint Consultative Machinery which will consider the demands of the Association.

Statement

Charter of Demands

1. Representation of teachers' bodies on Kendriya Vidyalaya San gathan and its Board of Governors De-linking of Kendriya Vidyalaya teachers from those of Delhi Ad ministration and other Union Ter ritories in view of their all India transfer liabilities and other hard ships.

2. Increase in internal promotion quota to 75 per pent in general and special promotional avenues for WETs, PETs, Drawing Teachers, Music Teachers, Librarians, Home Science Teachers, Lab. Assistants and guarantee of there promotions in a career abolition of cadre of Lab. Attendants and revival of that of Lab. Asstts.

3. Grant of time-bound selection grades to all categories of teachers *i. e.* after 8 years and introduction of super-selection grades and provision of Gratuity with CFF.

4. JCM at all levels and rationalisation of recruitment and promotion rules.

5. Withdrawal of 9 years' transfer policy and introduction of a human transfer policy and grant of request transfers ir; Public interest.

6. Restoration of March-May 1882 salary; 19th April, 1933 Casual Leave; provision of employment to the wards of Kendriya Vidyalaya Sangathan serving employees and stoppage of victimisation of AIKVTA office-bearers and activi ties.

7. Higher pay scales than those of Delhi and UT teachers; regularisation of services of Yoga, on trial and *ad hoc* teachers.

8. House for every teacher and special grade for Music teachers.

9. Work-load as per present norms of KVS and extension of admissible privileges te reserved categories of KVS employees.

10. Opening of Kendriya Vidyalaya at all district headquarters and provision of admission local children to percentage.

11. Elaboration and liberalisation of medical facilities.

मुख्य अभियन्ता-निर्माण अधीक्षक, उत्तर रेलवे के कार्यालय में अधिकारियों की तैनाती

3398. **श्री सुनील कुमार पट्टनायक :** क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मुख्य अभियन्ता-निर्माण अधीक्षक, उत्तर रेलवे, कश्मीरी गेट, दिल्ली के कार्यालय में कुछ उच्च अधिकारी 5 से 10 वर्षों से भी अधिक समय से उसी कार्यालय में एक ही पदों पर लगातार कार्य कर रहे हैं ;

(ख) यदि हां, तो इन उच्च अधिकारियों को इतनी लम्बी अवधि के लिये एक ही ड्यूटी स्थान पर तैनात किये जाने के क्या कारण हैं ;

(ग) क्या सरकार उपर्युक्त भाग (क) में उल्लिखित उच्च अधिकारियों का स्थानान्तरण करने का विचार रखती है ; और

(घ) यदि हां, तो कब तक और, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) : (क) जी नहीं ।

(ख) से (घ) प्रश्न नहीं उठते ।

मुख्य अभियन्ता-निर्माण अधीक्षक का कार्यालय उत्तरी रेलवे दिल्ली द्वारा दिये गये निर्माण ठेके

3399. **श्री सुनील कुमार पट्टनायक** : क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) मुख्य अभियन्ता-निर्माण अधीक्षक उत्तरी रेलवे, कश्मीरी गेट, दिल्ली के कार्यालय में ऐसे कितने मामले हैं जिनमें पिछले तीन वर्षों के दौरान उन्हीं ठेकेदारों को नए निर्माण के ठेके दिये जा रहे हैं और ऐसे ठेकेदारों के नाम क्या हैं ;

(ख) उपर्युक्त भाग (क) में उल्लिखित ठेकेदारों को किस प्रकार के ठेके दिये गये और ये नये ठेके कितनी-कितनी राशि के दिये गये हैं ;

(ग) क्या इस मामले की जांच कराने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ;

(घ) यदि हां, तो कब तक जांच किये जाने का विचार है ; और

(ङ) यदि नहीं तो उसके क्या कारण हैं ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) : (क) और (ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान 45 ठेकेदारों को प्रत्येक को एक से अधिक कार्य के ठेके दिये गये थे और ऐसे ठेकों की कुल संख्या 137 है ; ये ठेके विभिन्न किस्म के कार्यों के थे, यथा भूमि संबंधी कार्य, पत्थर की गिट्टियों की आपूर्ति, इमारतें, पुलों आदि का निर्माण । प्रत्येक ठेकेदार को दिये गये विभिन्न ठेकों की राशि सहित अलग-अलग ठेकेदारों के नाम संलग्न विवरण में दिये गये हैं [देखिये परिशिष्ट CXLIV, अनुबन्ध सं. 142]

(ग) जी नहीं ।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।

(ङ) एक ठेकेदार को एक से अधिक ठेके दिये जाने पर कोई प्रतिबन्ध नहीं है और यह उसकी वित्तीय और तकनीकी क्षमता पर निर्भर करता है ।

Transfer of Teachers of the Government Girls Senior Secondary School, Sagarpur

3400. SHRI KAILASH PATI MISHRA: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased, to state

(a) the names of the teachers working in the Government Girls Senior Secondory School Sagarpur, Delhi-46 who applied for transfer from the said school during the current year alongwith the dates on which such applications had been submitted by them to the School authorities;

(b) since when each of them has been continuously working in the Sagarpur School including Sagarpur Middle School and the Sagarpur Secondary School;

(c) the names of the teachers who have been transferred from the said school during the current year till date, alongwith the names of the schools to which they have been transferred;

(d) whether any of the teachers not yet transferred have been applying for transfer from the said school continuously for atleast three years; and